ग्रामीण क्षेत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के माजरा गाँव के संदर्भ में

मुकेश देवी[1], रविंदर कुमार[2]

[1] *शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग, इग्नू, नई दिल्ली*

[2] *प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, इग्नू, नई दिल्ली*

सारांश—**वर्तमान युग को डिजिटल युग कहा जाता है, जहाँ सूचना और संचार तकनीक ने समाज के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। सोशल मीडिया इस डिजिटल परिवर्तन का एक प्रमुख माध्यम बनकर उभरा है। प्रारंभ में सोशल मीडिया का प्रभाव मुख्यतः शहरी क्षेत्रों तक सीमित था, किन्तु समय के साथ इसका विस्तार ग्रामीण समाज में भी तीव्र गति से हुआ है। प्रस्तुत अध्ययन हरियाणा राज्य के कुरुक्षेत्र जिले के माजरा गाँव के संदर्भ में ग्रामीण क्षेत्रों में सोशल मीडिया के प्रभाव का समाजशास्त्रीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है।**

इस अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है कि सोशल मीडिया ग्रामीण लोगों के सामाजिक संबंधों, पारिवारिक संबंधों, पारिवारिक जीवन, शिक्षा, राजनीतिक जागरूकता, सांस्कृतिक मूल्यों और दैनिक जीवन शैली को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया ने ग्रामीण समाज में सूचना की उपलब्धता को बढ़ाया है, सामाजिक जागरूकता में वृद्धि की है तथा ग्रामीणों को राष्ट्रीय और वैश्विक घटनाओं से जोड़ा है। वहीं दूसरी ओर, सोशल मीडिया के अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग से पारंपरिक सामाजिक संबंधों में शिथिलता, अफवाहों का प्रसार, समय की बर्बादी और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हुई हैं।

माजरा गाँव के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि सोशल मीडिया समाज में सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली साधन बन चुका है। अतः आवश्यक है कि इसके सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा दिया जाए तथा नकारात्मक प्रभावों को कम करने हेतु डिजिटल साक्षरता और जागरूकता कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्य शब्द—**सोशल मीडिया, ग्रामीण समाज, डिजिटल परिवर्तन, सामाजिक संबंध, राजनीतिक जागरूकता** |

I. प्रस्तावना

इक्कीसवीं सदी को सूचना और संचार का युग कहा जाता है। इस युग में इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया इसी डिजिटल क्रांति का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सोशल मीडिया ऐसे ऑनलाइन मंच हैं जिनके माध्यम से व्यक्ति विचारों, सूचनाओं, अनुभवों और भावनाओं को साझा करता है। फेसबुक, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे मंच आज समाज में दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।

प्रारंभ में सोशल मीडिया का उपयोग मुख्यतः शहरी क्षेत्रों तक सीमित था, किन्तु समय के साथ-साथ इसका विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में आसान उपलब्धता तथा सरकारी योजनाओं जैसे “डिजिटल इंडिया” ने ग्रामीण क्षेत्रों को भी डिजिटल दुनिया से जोड़ दिया है। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण समाज की सामाजिक संरचना,

संचार प्रणाली और जीवन शैली में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं।

ग्रामीण समाज परंपरागत रूप से प्रत्यक्ष संवाद, सामूहिकता, पारिवारिक संबंधों और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित रहा है। गाँव में लोग पंचायत, मेल-जोल और आमने-सामने बातचीत के माध्यम से सामाजिक संबंध बनाए रखते थे। अब ग्रामीण लोग सूचनाओं के लिए केवल गाँव या स्थानीय स्तर पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्रीय और वैश्विक घटनाओं से भी सीधे जुड़ गए हैं।

हरियाणा राज्य का कुरुक्षेत्र जिला ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसी जिले का माजरा गाँव सामाजिक परिवर्तन के दौर को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर रहा है। माजरा गाँव में युवा वर्ग, महिलाएँ और यहाँ तक कि वृद्ध लोग भी सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से गाँव की सूचनाएँ, सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी और सरकारी योजनाओं से संबंधित संदेश साझा किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया ने जहाँ ग्रामीण समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा दिया है, वहीं इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए हैं। अफवाहों का प्रसार, समय की बर्बादी, पारिवारिक संवाद की कमी और पारंपरिक सामाजिक मूल्यों का क्षरण जैसी समस्याएँ भी उभर कर आई हैं। इसी संदर्भ में यह अध्ययन माजरा गाँव के उदाहरण के माध्यम से ग्रामीण समाज पर सोशल मीडिया के प्रभावों को समझने का प्रयास करता है।

II. साहित्य समीक्षा

सोशल मीडिया और समाज के बीच संबंध पर विद्वानों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक अध्ययन किए गए हैं। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना रहा है कि डिजिटल संचार माध्यम समाज की संरचना, सामाजिक संबंधों तथा सांस्कृतिक मूल्यों को किस प्रकार से प्रभावित कर रहे हैं। सोशल मीडिया एक नया विषय है, इसके प्रभाव तेजी से स्पष्ट होते जा रहे हैं।

1. मैनुअल कास्टेल्स (1996) ने अपने प्रसिद्ध कार्य द राइज़ ऑफ द नेटवर्क सोसाइटी में “नेटवर्क समाज” की अवधारणा प्रस्तुत की। उनके अनुसार आधुनिक समाज सूचना और संचार तकनीक पर आधारित नेटवर्कों से संचालित हो रहा है। सोशल मीडिया इन नेटवर्कों का महत्वपूर्ण अंग है, जो सामाजिक संबंधों को बदल रहा है। ग्रामीण समाज, जो पहले सीमित दायरे में कार्य करता था, अब सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक सामाजिक नेटवर्क से जुड़ गया है।

2. योगेन्द्र सिंह (1973) ने सामाजिक परिवर्तन के अध्ययन में यह बताया कि आधुनिकता और तकनीकी विकास भारतीय समाज की पारंपरिक संरचनाओं को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक मूल्यों, संस्थाओं और संबंधों को भी बदल रहे हैं। सोशल मीडिया के प्रसार से ग्रामीण समाज में जागरूकता और सामाजिक गतिशीलता बढ़ी है।

3. मिश्रा और सिंह (2018) ने ग्रामीण समाज पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करते हुए बताया कि सोशल मीडिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक चेतना और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया है। उनके अध्ययन के अनुसार ग्रामीण लोग अब चुनाव, सरकारी नीतियों और सामाजिक आंदोलनों के प्रति अधिक सजग हो गए हैं। सोशल मीडिया ने सूचना के केंद्रीकरण को तोड़ते हुए ग्रामीण समाज को सशक्त बनाया है।

कुछ अन्य शोधों में यह पाया गया है कि सोशल मीडिया ने ग्रामीण समाज में शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराई है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्रामीण युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, सरकारी योजनाओं और रोजगार से संबंधित सूचनाएँ प्राप्त कर रहे हैं। इससे ग्रामीण युवाओं की आकांक्षाओं और जीवन लक्ष्यों में परिवर्तन आया है।

हालाँकि, कई अध्ययनों में सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया है। कुछ शोधकर्ताओं के अनुसार सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग पारिवारिक संवाद में कमी और सामाजिक अलगाव को बढ़ावा दे रहा है। ग्रामीण समाज, जो परंपरागत रूप से सामूहिकता और प्रत्यक्ष संवाद पर आधारित रहा है, आभासी संवाद की वृद्धि से सामाजिक संबंधों की गहराई प्रभावित हो रही है।

अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं का प्रसार भी सोशल मीडिया की एक गंभीर समस्या के रूप में सामने आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण लोग कई बार गलत सूचनाओं को सत्य मान लेते हैं, जिससे सामाजिक तनाव व भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है।

महिलाओं के संदर्भ में किए गए अध्ययनों से ज्ञात होता है कि सोशल मीडिया ने ग्रामीण महिलाओं को अभिव्यक्ति का नया मंच प्रदान किया है। वे अब शिक्षा, स्वास्थ्य और अधिकारों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास और सामाजिक जागरूकता बढ़ी है। कुछ अध्ययनों में यह भी उल्लेख किया गया है कि महिलाओं के लिए ऑनलाइन सुरक्षा और निजता की समस्या एक चुनौती बनी हुई है।

इस प्रकार उपलब्ध साहित्य से यह स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया ग्रामीण समाज में सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण कारक बन चुका है। इसके प्रभाव बहुआयामी हैं।

III. अध्ययन के उद्देश्य

- माजरा गाँव में सोशल मीडिया के उपयोग की स्थिति का अध्ययन करना।
- ग्रामीण समाज पर सोशल मीडिया के सामाजिक एवं पारिवारिक प्रभावों का विश्लेषण करना।
- सोशल मीडिया के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

IV. अध्ययन का क्षेत्र

माजरा गाँव, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा।

V. शोध पद्धति

यह अध्ययन गुणात्मक और मात्रात्मक शोध विधियों पर आधारित है। इस अध्ययन में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति का प्रयोग किया गया है।

VI. आँकड़ों के संग्रहण की प्रक्रिया

आँकड़ों के संग्रहण में दो प्रकार की विधियों का प्रयोग किया गया है–

(क) प्राथमिक डेटा

(ख) द्वितीयक डेटा

(क) प्राथमिक डेटा

1. इस अध्ययन में गाँव के निवासियों से साक्षात्कार और प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।
2. क्षेत्रीय अवलोकन किया गया है।

प्रश्नावली

इस अध्ययन में गाँव के विभिन्न लोगों से सोशल मीडिया के बारे में प्रश्नों के द्वारा उनकी जानकारी, उपयोग की आदतें और इससे जुड़ी समस्याओं का अध्ययन किया गया।

प्रश्नावली में 20 प्रश्नों के आधार पर उत्तर पूछे गए। 20 प्रश्नों में 100 उत्तरदाताओं में 70 प्रतिशत लोगों ने सोशल मीडिया का उपयोग बताया, जबकि 30 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिनकी सोशल मीडिया से कनेक्टिविटी कम थी।

साक्षात्कार

कुछ विशेष व्यक्तियों, जैसे गाँव के कुछ व्यक्तियों एवं फेरी वाले लोगों से साक्षात्कार लिया गया। इससे हमें ग्रामीण लोगों का सोशल मीडिया के प्रति दृष्टिकोण और उनके अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

(ख) द्वितीयक डेटा

सरकारी रिपोर्ट, पूर्व प्रकाशित शोध पत्र, मीडिया रिपोर्ट और आँकड़ों का उपयोग करते हुए सोशल मीडिया की रिपोर्ट का अध्ययन किया गया।

नमूना चयन

गाँव के 100 निवासियों का सैंपल लिया गया, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग और पृष्ठभूमि के लोग शामिल रहे।

VII. आँकड़ों का विश्लेषण

सोशल मीडिया पर हरियाणा राज्य के कुरुक्षेत्र जिले के गाँव माजरा में क्षेत्र कार्य किया गया तथा इस कार्य के लिए आँकड़ों का संग्रहण, प्रश्नावली तथा साक्षात्कार के माध्यम से किया गया है जिसमें 100 लोगों से सैंपल के तौर पर प्रश्नावली भरवाई गई। जिससे आँकड़ों का अध्ययन कर यह पाया गया कि ज्यादातर लोग सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

जिसमें व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर और यूट्यूब आदि का उपयोग करते हैं तथा इनमें व्हाट्सएप और यूट्यूब का उपयोग अधिक देखने को मिला।

VIII. चर्चा

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि माजरा गाँव में सोशल मीडिया ने ग्रामीण जीवन के विभिन्न पहलुओं को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया अब केवल संचार का साधन न रहकर ग्रामीण समाज में सूचना, विचारों और व्यवहार में परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।

अध्ययन से यह पाया गया कि माजरा गाँव में सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग युवाओं और मध्यम आयु वर्ग द्वारा किया जा रहा है। व्हाट्सएप, यूट्यूब और फेसबुक प्रमुख प्लेटफॉर्म हैं, जिनका उपयोग समाचार, मनोरंजन, शिक्षा तथा आपसी संवाद के लिए किया जाता है। इससे ग्रामीण लोगों को देश-दुनिया की जानकारी पहले की तुलना में अधिक सरलता से उपलब्ध हो रही है।

सामाजिक दृष्टि से देखा जाए तो सोशल मीडिया ने ग्रामीण समाज में जागरूकता और संपर्क को बढ़ाया है। सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार संबंधी सूचनाएँ अब तेजी से गाँव तक पहुँच रही हैं। इससे ग्रामीण लोगों में अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता विकसित हुई है। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं में आत्म-अभिव्यक्ति और जागरूकता में वृद्धि देखी गई है।

हालाँकि, अध्ययन में यह भी सामने आया कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से पारिवारिक संवाद और सामाजिक सहभागिता में कमी आई है। कई परिवारों में प्रत्यक्ष बात-चीत की जगह मोबाइल और सोशल मीडिया ने ले ली है, जिससे पारंपरिक पारिवारिक संबंध प्रभावित हो रहे हैं। बुजुर्गों और युवाओं के बीच संवाद का अंतर भी बढ़ता दिखाई देता है।

इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों और गलत सूचनाओं का प्रसार भी एक गंभीर समस्या के रूप में सामने आया है। कई बार बिना जाँच-पड़ताल

के सूचनाएँ साझा कर दी जाती हैं जिससे सामाजिक तनाव और भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। यह ग्रामीण समाज की सामाजिक एकता के लिए चुनौती बन सकता है।

इस प्रकार, चर्चा से यह स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया ने माजरा गाँव के ग्रामीण समाज को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही रूपों में प्रभावित किया है। जहाँ एक ओर यह विकास, जागरूकता और सूचना का माध्यम बना है, वहीं दूसरी ओर इसके असंतुलित उपयोग से सामाजिक और पारिवारिक समस्याएँ भी उत्पन्न हुई हैं। अतः ग्रामीण समाज में सोशल मीडिया के संतुलित और जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता है।

IX. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट निष्कर्ष निकलता है कि सोशल मीडिया ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के माजरा गाँव के ग्रामीण समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन उत्पन्न किए हैं। आज सोशल मीडिया ग्रामीण जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है और इसका प्रभाव सामाजिक, पारिवारिक, शैक्षिक तथा सांस्कृतिक सभी क्षेत्रों में देखा जा सकता है।

अध्ययन से यह सामने आया कि सोशल मीडिया ने ग्रामीण लोगों को सूचना और संचार के नए अवसर प्रदान किए हैं। सरकारी योजनाओं, शिक्षा, व्यवसाय और रोजगार संबंधी जानकारी अब ग्रामीणों तक आसानी से पहुँच रही है, जिससे उनमें जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ा है। महिलाओं के लिए सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति और सशक्तिकरण का एक नया माध्यम उपलब्ध कराया है।

इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ है कि सोशल मीडिया के अत्यधिक और असंतुलित उपयोग से कुछ नकारात्मक प्रभाव भी उत्पन्न हुए हैं। पारिवारिक संवाद की कमी, सामाजिक सहभागिता में गिरावट, समय की बर्बादी तथा गलत सूचनाओं और अफवाहों का प्रसार जैसी समस्याएँ ग्रामीण समाज के सामने उभरकर आई हैं। इससे पारंपरिक सामाजिक मूल्यों और संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

अतः यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया न तो पूर्णतः लाभकारी है और न ही पूर्णतः हानिकारक, बल्कि इसका प्रभाव इसके उपयोग के तरीके पर निर्भर करता है। यदि सोशल मीडिया का उपयोग संतुलित, जागरूक और जिम्मेदार ढंग से किया जाए, तो यह ग्रामीण विकास, सामाजिक जागरूकता और सशक्तिकरण का प्रभावी साधन बन सकता है। इसलिए ग्रामीण समाज में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना और सोशल मीडिया के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1] गुप्ता, दीपांकर (2012). भारत का बदलता ग्रामीण समाज, नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान।

[2] सिंह, योगेन्द्र (1973). आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, जयपुर : रावत पब्लिकेशन।

[3] मिश्रा, राजेश एवं सिंह, सुप्रिया (2018). ग्राम-नगर संबंध, नई दिल्ली : सेज पब्लिकेशन।

[4] शर्मा, राम आधार (2015). ग्रामीण समाजशास्त्र, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।

[5] कुमार, अरुण (2019). "ग्रामीण भारत सोशल मीडिया का सामाजिक प्रभाव", भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा, 112–125।

[6] भारत सरकार (2011). जनगणना भारत 2011 हरियाणा, नई दिल्ली : भारत सरकार।

[7] कास्टेल्स, एम. (1996). नेटवर्क समाज का उदय, ऑक्सफोर्ड : विली ब्लैकवेल।

[8] भारत सरकार (2022). डिजिटल इंडिया कार्यक्रम रिपोर्ट, नई दिल्ली : भारत सरकार।